



A.F.H.R.D.S. NGO

AL FATIMA HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT SOCIETY

(Regd. Under NITI Aayog Govt. of India) (Regd. Under MSEME Govt. of India)

Recognized by Govt. of India

National Office Delhi :- 244/6, 3 rd Floor, Gali No:- 5, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi,

Head Office :-Carpet office Patna - sadikpur ,

Rukanpura, Back Of Auto Care Petrol Pump, Patna - 800014



संस्था की स्थापना राष्ट्रीय पशुपालन उद्यमिता विकास मिशन परियोजना का संचालन कर उसके अंतर्गत परम्परागत पशुपालन को व्यवसायिक रूप प्रदान करना प्रमुख उद्देश्य है साथ ही संस्था की स्वस्थ पशु सुरक्षित पशुपालक योजना का लाभ पशुपालकों तक पहुँचाना है।

संस्था का उद्देश्य पशुपालक / किसान को प्रगतिशील बनाना और ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करना है संस्था का उद्देश्य भारत में भारतीय पशुपालन और कृषि को बढ़ावा देकर भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास करना है। पशुपालन को बढ़ावा देने और पशु चारा उत्पाद को न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्था ग्राम पंचायतों में पशु सेवा केंद्र खोल रहा है और इससे ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने में भी मदद मिल रही है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम



कृतिम गर्भाधान केंद्र





A.F.H.R.D.S N.G.O

(Regd. Under NITI Aayog Govt. of India) (Regd. Under MSEME Govt. of India)
Affiliated by national Council of Medical and Paramedical Science Recognized by Govt. of India
National Office Delhi :- 244/6, 3 rd Floor, Gali No:- 5, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi

भारतीय पशु पालक जन कल्याण विकास योजना

भारतीयों पशु पालन योजना जो गरीबों के कल्याण हेतु है। जो व्यक्ति इस कार्य से जुड़ेगे उनका अनेक प्रकार से लाभ दिया जायेगा। आज के दौर में सही दूध का उत्पादक नहीं हो पा रही है गरीब एवं मध्यम वर्ग किसान का लड़का, लड़की को सही सलामत दूध भी नहीं मिल पा रही है। इस लिए ये कार्यक्रम चलाई जा रही है इसके अलावा गाँव या पंचायत स्तर पर पशु पालक किसान को प्रगतिशील बनाना और ग्रामीण बेरोजगार को रोजगार प्रदान करना है। इसका उद्देश्य भारत में भारतीय पशुपालन और कृषि कि बढ़ावा देकर भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास करना है। इस से ग्रामीणों के लिए रोजगार भी उपलब्ध होगा। बेरोजगार युवाओं को भी रोजगार मिलेगी और वो लोग बिना अपना गाँव छोड़े भी शहरो से ज्यादा पैसा कमा पाएँगे। संस्था द्वारा हर पंचायत में रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण का व्यवस्था किया जाएगा। गाय पालक कृषक बन्धुओं को गाय के दूध के अलावे गाय के गोबर और मूत्र से इनकम प्राप्त करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जो कृषक बन्धु संस्था के निर्देशनुसार प्रशिक्षण प्राप्त कर काम को बढ़ाएँगे, उनसे संस्था उनके यहाँ उत्पादित गोबर का खाद और गौ मूत्र को खरीद कर बाजार उपलब्ध कराएगी।

एक ग्राम पंचायत में जब भी 1000 गौ पालक संस्था से जुड़कर एक जोड़ा गाय प्रति कृषक अगर पालन शुरू करते है तो संस्था उनके द्वार से दूध का क्लेक्शन कर उसी पंचायत में दूध प्रसंस्करण यूनिट लगाएगी जिससे किसानो को उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा। जितने कृषक संस्था के साथ सदस्य बनते है उन सभी किसानो का ब्योरा संस्था भारत सरकार के अंतर्गत पशुपालन मंत्रालय को जमा करेगी और प्रत्येक कृषक को 2 से 10 भारतीय नस्ल की गाय दिलाने का कार्य करेगी।

संस्था का सदस्यता शुल्क 500 / पाँच सौ रूपया

मुख्य उद्देश्य:-

संस्था की स्थापना राष्ट्रीय पशुपालन उद्यमिता विकास मिशन परियोजना का संचालन कर उसके अंतर्गत परम्परागत पशुपालन को व्यवसायिक रूप प्रदान करना प्रमुख उद्देश्य है साथ ही संस्था की स्वस्थ पशु सुरक्षित पशुपालक योजना का लाभ पशुपालकों तक पहुँचाना है।

संस्था का उद्देश्य पशुपालक / किसान को प्रगतिशील बनाना और ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करना है संस्था का उद्देश्य भारत में भारतीय पशुपालन और कृषि को बढ़ावा देकर भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास करना है। पशुपालन को बढ़ावा देने और पशु चारा उत्पाद को न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्था ग्राम पंचायतों में पशु सेवा केंद्र खोल रहा है और इससे ग्रामीण बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने में भी मदद मिल रही है।

संस्था एक गांव, एक प्रशिक्षण, एक रोजगार नामक परियोजना पर काम कर रहा है। भविष्य में देश के राज्य के प्रत्येक गाँव में पशु सेवा केन्द्र स्थापित करेगा। इन केन्द्रों की सहायता से पशुपालक सूक्ष्म पशु चिकित्सा सेवाएं, मवेशियों से संबंधित उत्पादों की खरीद, बेहतर बीज, जैविक खाद, बेहतर नस्ल के जानवर आदि सभी लाभ ले सकते हैं। एवं संपन्न किसानों जिनके पास 1 से 2 एकड़ जमीन है उनको मिलेट उत्पादन हेतु खाद बीज निःशुल्क उपलब्ध कराएगी और उत्पादित मिलेट को बाजार के उचित मूल्य पर खरीद लेगी।

संस्था के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं :-

- पशुपालक को आर्थिक और सामाजिक दोनों रूपों में प्रगतिशील बनाना
- कृत्रिम गर्भाधान की पूरी सुविधाओं से युक्त पशु सेवा केंद्र की स्थापना
- पूरे भारत में राष्ट्रीय पशुपालन उद्यमिता विकास मिशन परियोजना के तहत पशुपालन और पशुपालन प्रबंधन का प्रशिक्षण देते हुए पशुपालक श्रमिकों को तैयार करना ।
- नए व्यवसाय डेयरी फार्म, भेड़ बकरी फार्म आदि स्थापित करने के लिए उन्हें सलाह और सुविधाएं प्रदान करने के लिए।
- सामाजिक जागरूकता और जन चेतना के माध्यम से पशु चिकित्सा आंदोलन को गति प्रदान करना
- कृत्रिम गर्भाधान और उन्नत नस्ल कार्यक्रम के लिए उन्नत नस्ल के नर नस्लों का विकास करते हुए वीर्य बैंक की स्थापना ।
- राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम में पशु चिकित्सा के माध्यम से सक्रिय योगदान देना
- पशुओं में पोषण और स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों के माध्यम से उनकी उत्पादकता को बढ़ावा देना
- जानवरों के प्रति क्रूरता और अत्याचार के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना

पशु ट्रेनिंग देकर स्वरोजगार प्रदान करना जितने संस्थान में लोग मेंबर बननेगे उनको गौ पालन पर लोन भी का कार्य किया जायेगा गाय पालक एवं भैस पालक को सरकार द्वारा लाभ दिलाने का कार्या करेगी संस्था द्वारा कृत्रिम गर्भाधान ट्रेनिंग देकर हर 10 किलो मीटर पर पशु चिकित्सा केंद्र

खोली जाएगी जो की भारत सरकार के नियम अनुसार होगा ।

नोट :-

जो लोग मेंबर बनेगे वा हमारे संस्था के सदस्य बनेगे उन्हें कृषि पशु पालन कार्ड उपलब्ध कराया जायेगा इस योजना का लाभ उनको ही मिलेगा जिनके पास कृषि पशु पालन कार्ड उपलब्ध होगा ।

मतस्या पालन , बकरी पालन , गौ पालन इत्यादि ग्रामीण समाज वा श्रमिक वर्ग के कल्याण हेतु हमारी संस्था सरकार के दिशा निर्देश के अंतर्गत कार्य कर रही है एवं निति आयोग भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त एक संस्था है ।

हमारे संस्था में सदस्यता प्राप्त करने हेतु कुछ अनिवार्य शर्ते ।

जो भी व्यक्ति बकरी पालन करना चाहते सबसे पहले वो अपना विवरण संस्था को उपलब्ध करना होगा । और इसकी सदस्यता प्राप्त करेगे तब उनहे संस्था द्वारा बकरी पालन की ट्रेनिंग देना के बाद 5 , 10 , 12 के रूप में मुहैया कराया जायेगा ।

जो भी व्यक्ति बकरी पालन पलांट लगाना चाहते है

उनके पास 2000 वर्ग फ्रीट ज़मीन होना अनिवार्य है एवं उन्हें प्रोजेक्ट बना कर हमारी संस्था को देना होगा और यह प्रोजेक्ट राज्य सरकार के पशु पालन विभाग और केंद्र सरकार की कृषि वा पशुपालन विभाग में दिया जाएगी ।

जो भी व्यक्ति मतस्या पालन करना चाहते है

वे अपनी तालाब , पोखर में कितने एकर में वे मतस्य पालन करना चाहते है उसका विवरण एवं प्रोजेक्ट संस्था को मुहैया करेंगे ।

जो भी व्यक्ति इस संस्था से जुड़ना चाहते है वा इस संस्था में कार्य करना चाहते है सबसे पहले उन्हें संस्था में सहयोग राशि शुल्क 550 रु \ जमा करनी होगी

A1 और A2 दूध दो प्रकार के गाय के दूध को संदर्भित करते हैं जो उनमें मौजूद बीटा-कैसिइन प्रोटीन के प्रकार में भिन्न होते हैं। यहां एक विस्तृत तुलना दी गई है:

बीटा-कैसिइन प्रोटीन

- A1 दूध: इसमें A1 बीटा-कैसिइन प्रोटीन होता है।
- A2 दूध: इसमें A2 बीटा-कैसिइन प्रोटीन होता है।

आनुवंशिक अंतर

- A1 दूध: उन गायों द्वारा उत्पादित जिनमें A1 बीटा-कैसिइन जीन वैरिएंट होता है। सामान्य नस्लों में होल्स्टीन, फ्रीज़ियन और ब्रिटिश शोरथॉर्न शामिल हैं।
- A2 दूध: उन गायों द्वारा उत्पादित जिनमें A2 बीटा-कैसिइन जीन वैरिएंट होता है। सामान्य नस्लों में जर्सी, ग्वेर्नसे और कुछ अन्य विरासत नस्लों शामिल हैं।

पाचन प्रभाव

- A1 दूध: पचने पर, A1 बीटा-कैसिइन बीटा-कैसोमोर्फिन-7 (बीसीएम-7) नामक पेप्टाइड में टूट जाता है, जिसके बारे में कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ व्यक्तियों में पाचन संबंधी असुविधा और अन्य प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं।
- A2 दूध: A2 बीटा-कैसिइन पचने पर बीसीएम-7 का उत्पादन नहीं करता है, जिससे A1 प्रोटीन के प्रति संवेदनशील लोगों के लिए इसे पचाना आसान हो सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी निहितार्थ

- A1 दूध: कुछ शोध A1 बीटा-कैसिइन और हृदय रोग, टाइप 1 मधुमेह और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल असुविधा जैसे विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों के बीच एक संभावित संबंध का सुझाव देते हैं, हालांकि सबूत निर्णायक नहीं है।
- A2 दूध: उन व्यक्तियों के लिए एक स्वस्थ विकल्प के रूप में विपणन किया जाता है जो नियमित दूध से असुविधा का अनुभव करते हैं। कुछ अध्ययनों से संकेत मिलता है कि A2 दूध पाचन तंत्र के लिए आसान हो सकता है।

बाज़ार उपलब्धता

- A1 दूध: कई देशों में व्यापक रूप से उपलब्ध है और अधिकांश डेयरी गायों द्वारा उत्पादित किया जाता है।
- A2 दूध: उपभोक्ताओं की बढ़ती दिलचस्पी के कारण इसकी उपलब्धता बढ़ रही है। चयनात्मक प्रजनन और विपणन के कारण अक्सर अधिक महंगा।

पोषण सामग्री

- A1 दूध और A2 दूध: वसा, प्रोटीन, विटामिन और खनिजों के मामले में पोषण समान है। प्राथमिक अंतर बीटा-कैसिइन प्रोटीन में निहित है।

उपभोक्ता की पसंद

- A1 दूध: पारंपरिक विकल्प, अधिक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त।
 - A2 दूध: संभावित पाचन लाभों की तलाश करने वाले या नवीनतम स्वास्थ्य रुझानों का पालन करने वाले उपभोक्ताओं द्वारा चुना गया।
-

A1 और A2 दूध के बीच बहस प्रत्येक में मौजूद बीटा-कैसिइन प्रोटीन के प्रकार को लेकर होती है। यह समझने में सहायता के लिए यहां एक तुलना दी गई है कि मानव उपभोग के लिए क्या बेहतर हो सकता है:

A1 दूध

- स्रोत: आमतौर पर होल्स्टीन, फ्रीज़ियन, आयरशायर और ब्रिटिश शॉर्टहॉर्न गायों के दूध में पाया जाता है।
- प्रोटीन: इसमें A1 बीटा-कैसिइन प्रोटीन होता है।
- स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव: कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि A1 बीटा-कैसिइन कुछ व्यक्तियों में प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों से जुड़ा हो सकता है, जिसमें पाचन संबंधी परेशानी और हृदय रोग और मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है। हालाँकि, सबूत निर्णायक नहीं है, और अधिक शोध की आवश्यकता है।

A2 दूध

- स्रोत: आमतौर पर भारत के देशी मवेशियों ग्वेर्नसे, चारोलिस और लिमोसिन जैसी पुरानी गाय की नस्लों से आता है।
- प्रोटीन: इसमें A2 बीटा-कैसिइन प्रोटीन होता है, जो मानव दूध के साथ-साथ बकरी, भेड़ और भैंस के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के समान होता है।
- स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव: ऐसा माना जाता है कि A2 दूध पचाने में आसान होता है और इससे पाचन संबंधी समस्याएं होने की संभावना कम होती है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि यह A1 दूध से जुड़ी सूजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम कर सकता है।

विचार

- पाचन स्वास्थ्य: जो व्यक्ति नियमित दूध का सेवन करने के बाद असुविधा या सूजन, गैस या दस्त जैसे लक्षणों का अनुभव करते हैं, उनके लिए A2 दूध पचाना आसान हो सकता है।
- पोषण सामग्री: दोनों प्रकार के दूध में वसा, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्वों के मामले में समान पोषण प्रोफ़ाइल होती है।
- उपलब्धता और लागत: A2 दूध अक्सर A1 दूध की तुलना में अधिक महंगा और कम व्यापक रूप से उपलब्ध होता है।

कई लोगों के लिए, A1 और A2 दूध के बीच अंतर महत्वपूर्ण नहीं हो सकता है, लेकिन संवेदनशीलता या पाचन समस्याओं वाले लोगों के लिए, A2 दूध एक बेहतर विकल्प हो सकता है। चूंकि शोध जारी है, इसलिए दोनों के बीच चयन करते समय व्यक्तिगत सहनशीलता और आहार संबंधी आवश्यकताओं पर विचार करना महत्वपूर्ण है।



A.F.H.R.D.S N.G.O



(Regd. Under NITI Aayog Govt. of India) (Regd. Under MSEME Govt. of India)

Affiliated by national Council of Medical and Paramedical Science Recognized by Govt. of India

Head Office :- Carpet Office Patna , Sadikpur, Rukanpura, Back of Auto Care Petrol; Pump, Patna - 800013

Regd. No:- 484/12-13

भारतीय पशु पालन जन कल्याण विकास योजना

सदस्यता फॉर्म

सदस्यता एवं साहयोग राशि 550 रु

आवेदक का नाम:-----

पता:-----

जिला:-----

पिन कोड:-----

पिता का नाम:-----

माता का नाम:-----

मोबाइल न०:-----

आधार संख्या:-----

जन्म तिथि:-----

लिंग:-----



A.F.H.R.D.S N.G.O

(Regd. Under NITI Aayog Govt. of India) (Regd. Under MSEME Govt. of India)

National Office Delhi :- 244/6, 3 rd Floor, Gali No:- 5, Sangam Vihar, Wazirabad, Delhi

Head Office :- Carpet Office Patna , Sadikpur, Rukanpura, Back of Auto Care Petrol; Pump, Patna - 800013



सदस्यता एवं साहयोग राशि 550 रु

Regd. No:- 484/12-13

आवेदक का नाम:-----

पता:-----

आवेदक का जमा राशी:-----

आधार संख्या:-----

जमाकर्ता का हस्ताक्षर:----- तिथि:-----



RASHTRIYA GRAMIN JAN VIKAS YOJNA

Regd. No. 974, NITI AAYOG DL2017/0158388 (GOVT. OF INDIA)
 Unique Regd. No. 80G - AACTR0276MF20220,12A
 UNIQUE Regd. No. AACTR0276ME20214 OF INCOME TAX ACT. 1961
 CSR Registration No. - CSR00014498 & ISO 9001:2008 CERTIFIED TRUST

Head Office : Ns-16, Mianwali Nagar, New Delhi-110087 M. : 8800414168



AL FATIMA HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT SOCIETY

Niti Aayog Govt. of India Unique ID No. BR/2019/0231348

Corporate Office : 244/6, 3rd Floor, Gali No. 5, Sangam Vihar, Wazirabad, New Delhi-110084
 6205893678 E-mail : afhrdslokkalyan@gmail.com www.afhrds.org

कर्मचारी आवेदन-पत्र

पद का नाम

अभ्यर्थी का नाम.....

पिता/पति का नाम.....

जन्म तिथि.....दिन.....माह.....वर्ष.....

लिंग.....जन्म स्थान का पुरा पता

पत्राचार का पुरा पता.....

पिन कोड

जहां निवासी है यहां का पता.....

मोबाईल

ई-मेल आईडी.....

शैक्षणिक योग्यता का पुरा प्रमाण पत्र

क्रम संख्या	परीक्षा का विषय	बोर्ड / विश्वविद्यालय	वर्ष	प्राप्तांक	प्रतिशत %

अन्य कोई योग्यता है तो अवश्य लिखें.....

आरक्षित कोटि यदि एस.टी./एस.सी./ अत्यंत पिछड़ी जाति.....

घोषणा

मैं एद्व द्वारा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि मेरे द्वारा दिया गया सारा कागजात सत्य है असत्य पाये जाने के उपरांत मुझ पर कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

स्थान

दिनांक.....

अभ्यर्थी का हस्ताक्षर